

प्रेषक,

डॉ० रंजीत कुमार सिन्हा,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
अर्थ एवं संख्या,
उत्तराखण्ड देहरादून।

नियोजन अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक: 26 फरवरी, 2015

विषय:- वित्तीय वर्ष 2014-15 में अर्थ एवं संख्या अधिष्ठान हेतु आयोजनागत पक्ष की मद सं०-18 व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान एवं मद सं०-18-प्रकाशन हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश सं०-331, दिनांक 29.08.2014 एवं आपके पत्र संख्या: 2225/3-ले०-1(2)/बजट/2014-15 दिनांक 17.01.2015 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2014-15 में अर्थ एवं संख्या विभाग के क्रियान्वयन हेतु अनुदान सं०-7 के लेखाशीर्षक "3454-02-001-03-अर्थ एवं संख्या अधिष्ठान की आयोजनागत पक्ष की विभिन्न अबचनबद्ध मदों में संलग्नक में अंकित विवरणानुसार कुल धनराशि ₹ 1150 हजार (₹ ग्यारह लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखने की स्वीकृति निम्न प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त स्वीकृति वित्त विभाग के शासनादेश सं०-318 दिनांक 18 मार्च, 2014 में दिये गये निर्देशानुसार ही व्यय की जायेगी एवं उक्त शासनादेश में वर्णित निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 2- वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए अधिकृत धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजना पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग वित्तीय वर्ष 2014-15 की नई मदों के क्रियान्वयन के लिए नहीं किया जाएगा।
- 3- स्वीकृत कार्यों पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका में बजट मैनुअल, स्टोर पर्वेज कल्ले एवं मितव्ययता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जायेगा। मितव्ययता के सम्बन्ध में वेतन आदि मदों के अतिरिक्त शेष मदों में मितव्ययता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल शीर्षक/मदवार बचत की कार्ययोजना बना ली जाए तथा तदनुसार विशेषकर आयोजनेत्तर पक्ष में बचत करने का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित कर बचत किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
- 4- किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008, वित्तीय नियम शाखा खण्ड-1 (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धित नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियमों, शासनादेशों आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।



- 5- यह सुनिश्चित किया जाए कि स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय नहीं किया जाए जिसके लिये वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो तथा उस प्रकरण में व्यय के पूर्व स्वीकृति प्राप्त कर ली जाए।
- 6- संलग्न वर्णित धनराशि का समय से उपयोग करने के लिए यह सुनिश्चित करें कि धनराशियों को परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दिया जाए तथा व्यय का विवरण नियमित रूप से प्रतिमाह विलम्बतम 10 तारीख तक बी0एम0-8 'पर शासन को उपलब्ध कराया जाए।
- 7- अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फ्रेजिंग (त्रैमास के आधार पर) नियोजन विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
- 8- यह सुनिश्चित किया जाए कि शासन द्वारा उपरोक्त निर्देशों के अतिरिक्त इस सम्बन्ध में जारी शासनादेशों का अनुपालन अधीनस्थ तक भी सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

2. उक्त संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक के आयोजनागत पक्ष में अनुदान सं0-7 के लेखाशीर्षक "3454-जनगणना, सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी- 001-निर्देशन तथा प्रशासन-03-अर्थ एवं संख्या अधिष्ठान के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

संलग्न:-यथोपरि।

भवदीय,

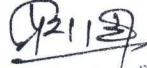
(डॉ० रंजीत कुमार सिन्हा)
अपर सचिव।

संख्या: 73 / XXVI / दो(20) / 2013, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार उत्तराखण्ड, ओबरोय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
2. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
3. वित्त अधिकारी, केन्द्रीयकृत लेखा एवं भुगतान कार्यालय, साईबर ट्रेजरी, देहरादून।
4. वित्त विभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 5. समन्वयक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
6. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,


(पी0एस0 शाही)
उप सचिव।